

पीठासीन अधिकारी
[S.D. मीठा (R.A.S.)]

उपस्थित अधिकारी

श्री सुरेन्द्र सिंह शक्तावर :- अप्रार्थी नं. 1
श्री S.N. भागल :- शर्ची

-: निर्णय प्रार्थना पत्र :-

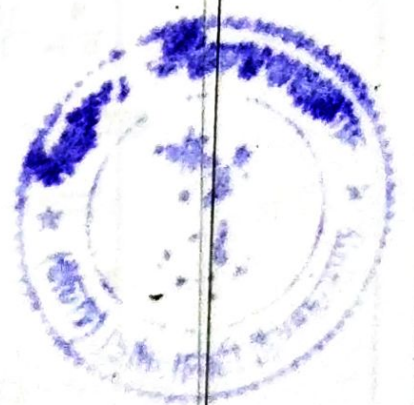
_____ x _____ x _____ x _____

दि 01-03-16

शर्ची द्वारा जारी विहार अधि
पत्र पत्र अन्तर्गत धारा 212 R.A. Act
प्रस्तुत कर निवेदन किया गया कि शर्ची
द्वारा एक नया प्रस्तुत कर रिया है,
जिसमें शर्ची की कामगारी की प्रती
उम्मीद है।

अप्रार्थी नं. 1 ह्योन फुन्दीया का
एक एलोसियेशन है, जिसके वर्तमान में
अध्यक्ष श्री जगदीश सिंह शक्तावर
हैं।

शर्ची एवं उसके भाई मोहम्मद
खान एवं कबीर कान्त में ग्राम
माथला में खत नं. 388 की 3.93 हे०
भूमि समभाग में स्थित है। उक्त भूमि
में 5-7 लाख रुपये खर्च करके कुआ
खोदवाया है, तथा शर्ची द्वारा उक्त



शमि का उपजाऊ बनाया है, जमीन के खेतों के हिस्से के दरिया में खसरा नम्बर 380 (क) 7.60 हेक्टर में मुसकि-चाटागाह की शमि है। अप्रार्थी नं. 1

द्वारा राज्य साकार तथा स्थायी ग्राम पंचायत से पूर्व अनुमति लिए बिना ही चाटागाह शमि पर उसके सदस्यों की फौकरीयों का मसवा डालने के उपयोग में ली जा रही है। चाटागाह शमि का अवैधरूप से उपयोग में लिया जा रहा है। अप्रार्थी नम्बर 1 द्वारा अवैधरूप से एसोसियेशन भवन कुदायला में अपने सदस्यों की मीटिंग आयोजित कर 201 प्रति डाली प्रति चक्कर के हिसाब से उक्त चाटागाह शमि में मसवा डालने का प्रस्ताव ले लिया है, तथा प्रतिदिन 400-500 डाली मसवा डाला जा रहा है।

अप्रार्थी नं. 1 द्वारा बिना अनुमति मसवा तथा कपडियों डालने से शर्मी की आराजी के दरिणी कौन पर काफी गिलाब होना शरम्भ हो गया है। शर्मी के कुये पर कौरा ट्रेन का पॉलिथ वहाक आता है, जिससे शर्मी के कुये के हवाले होने की संभावना हो गई है। शर्मी के खेत की शमि का उपजाऊ पन, पॉलिथ, मसवा तथा कपडियों से निकलने वाले पानी से प्रदूषित रहने की संभावना है।

अप्रार्थी नम्बर 1 प्रजीपतियों का एक



Handwritten signature and official stamp at the bottom left.



Handwritten signature and official stamp at the bottom right.

संगठन हैं, जो अवैधरूप से चरागाह श्रमि पर
कोरा स्टोन का मलबा डालने का विनाश कार्य
कर रहा है। जिससे शर्मी के वेतन के छवि श्रमि
की उपयोगिता पूर्वतः नष्ट होने की संभावना
है। यदि अशर्मी का उक्त कार्य से नहीं रोका
गया तो इससे शर्मी का अपरिमित क्षति होने
की उच्च संभावना है।

अन्य कथन एवं शर्माना पत्र प्रस्तुत कर
निवेदन किया कि स्वपरा नं० 388 के त्रिभुज
में स्थित चरागाह श्रमि पर अशर्मी नं० 1
स्टोन फैक्री से निकलने वाले बेल्ट मलबा
कपचियों को न डाले। न ऐसा कोई कार्य
करे, जिससे शर्मी के खाल की छवि श्रमि
की उपयोगिता ही कम हो। शर्मी को शान्तिपूर्वक
श्रमि पर काबल करने देवे। उसमें किसी प्रकार
की मरादल्लत मजाहमत न करे। न उक्त हत्य
कथन हेजेत से ही शर्मी का नि

शर्माना पत्र शर्मी प्रस्तुत होने पर उक्त
रज रिजल्टर किया जाकर कशर्मीगठ को
जर्षि सम्मन ललब किया गया। अशर्मी नं०
1 की ओर से श्री S.S. शास्त्रालय विज्ञान अधिका
द्वारा बकालालनामा मय जबाब शर्माना पत्र
अदि प्रस्तुत किया। जबाब में शर्माना पत्र
अन्विका किया तथा विशेष आप्तिलयां अंकित
अंकित की गई, कि शर्मी उक्त श्रमि का न
ले खालदार है, और न उसका उक्त श्रमि
पर कबला काशत है। इस काले शर पत्र
स्वता ही काबिल खालिज है शर्मी का

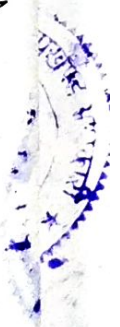


Handwritten signature and initials in the bottom left corner.

चापगाह इमि पर कोइ राई इस नही जागी
 राजकीय इमियों पर रेस पास का कार्य कला
 रहता है। जमी की अजमीनें। क विकुड जार्जना
 पत्र पेरा कार्य का अधिकार नही है।

जमी द्वारा बिना किसी वैधानिक अधिकार
 र्क एवं बिना किसी कारण क कानूनी जवाबदा
 री पर जाकर प्रां पत्र जालुत किया है, जो
 चलने योग्य नही है। जमी खर्च एक अवि-
 कुमी है, तथा इसका आचलण ऐसा है कि खुद
 अतिक्रमण क राजकीय इमियों पर कालस
 जार्जना पत्र जालुत क अपना हुकूम दिपाना
 चाहता है जमी का कुआ राजकीय इमि
 पर है जिस नी कविहरीत किया जाये। काउ
 जवाब नी copy विडान अधिकार जमी
 की दी जाकर जवाब शामिल मिसल किया
 गया। बरस विडान अधिकार उमयपक्ष
 खुनी गई।

सोचने बरस विडान अधिकार जमी का
 कथन है, कि जमी क खाल नी इमि क दरिदरा
 र्क चापगाह नी इमि है, जिस पर क जमी के द्वारा
 फेन्डी का बेल्ट मेटेरियल तथा पल्पर पौलिश
 डाना जा रहा है। उससे जमी का खेरा -
 खराब हो रहा है। जमी क कुर्क के पास
 बेल्ट मेटेरियल का लीला बना दिया है -
 जिससे जमी का कुआ खराब हो रहा है।
 अजमीनें द्वारा जिस इमि पर पल्पर पौलिश
 कपटियसों काउरे डाली जा रही है, उसके
 वह खालेदार नही है। इमि चापगाह की
 हुकूम पंचायत या स्थानीय अधिकारी से
 स जवाब अनुमति नही ली गरी।



Handwritten signature and blue ink stamp at the bottom left of the page.

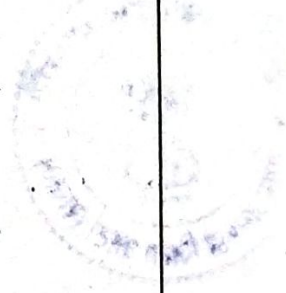
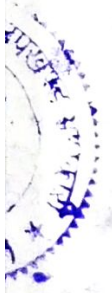
है। अतः इसे पालन किया जावे।

इसके विपरीत विहार अधिवक्ता अण्णादी
नम्बर 1 का कथन है, कि अण्णादी अजदीर
सिंह स्वतंत्र नहीं है। अण्णादी का किसी
भी शक्ति पर प्रभाव नहीं है। अण्णादी के
पास कोई रेकर नहीं है। अण्णादी वाहन
का चालक नहीं है। यदि कोई अज्ञान व्यक्ति
पत्थर या वेल्ल मरेरिमल डाल जाता है,
तो, शक्ति चारागाह होने से छेद गवर्नमेन्ट
पसकार ही संबंधित के विक्रम नं. 121
नहीं।

एकल से लफार पसकार है, तथा
साकारी शक्ति पर साकार के विक्रम नं.
नहीं जारी हो सकती। इसके द्वारा इमकी
स्कूड की शक्ति पर नं. नहीं जारी है,
लाफारी शक्ति पर नं. जारी है। अतः
एतद फल स्वीकार कर लिया जावे।

द्वितीय में विहार अधिवक्ता अण्णादी
का कथन है, कि इसके द्वारा उल्लुत किया
गया एतद पत्र 0.2.2.11 C.P.C. खासिक
किया जा चुका है। बाद वाली चर्चा शोक
होने से ही ही अण्णादी की चर्चा शोक है।

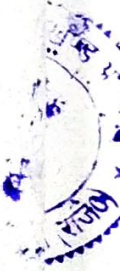
बाद बरस पत्रावली का आधोपान्त
गहन मनन अवलोकन किया गया। अण्णादी
के शक्ति पर नं. विलीन तथ्य, वाचिक
अनुलोष, अण्णादी शक्ति के प्रभाव अण्णादी तथा
अण्णादी द्वारा उल्लुत अण्णादी का राजस्थान
कार्यकारी अधिनियम 1955 की धारा



Handwritten signature or initials at the bottom left corner.

212 के सुसंगत प्राप्यपत्रों के तहत पर्यवेक्षण
 विचार किया गया। हमें नकल जमावें की
 ग्राम भायला सं. 2004-2024, ख. नं. 380 की
 भूमि जमीन तथा उसके भाड़े के नाम पर दर्ज
 ही भूखर्ची क्रम 1 का उससे जामा नही की
 यह प्रमाणित तथा स्वीकृत तब ही तथा
 नकल स्वसरा गिरावरी पर यह प्रकार होता
 है, कि प्रकार वर्गित भूमि ख. नं. 380 पर
 कोई कार्य किया जा रहा है। प्रकार वर्गित
 उक्त ख. नं. पर चाह के स्थित होने के
 प्रमाण प्रमम दुहरया नही ही साथ ही साथ
 जिस स्वसरा नम्बर 380 पर अल्पाई आदेश
 चला जा रहा है, वह भूमि जमीन के नाम
 दर्ज नही होना तथा राजस्व रिकार्ड में
 चालगाह के रूप में अभिलिखित होना
 प्रकार होता है।

इस प्रकार उक्त ख. नं. 380 की
 भूमि धारा 16 R.G.A. 1922 में समाविष्ट
 भूमि है, जिस पर किसी भी भूमि का
 स्वतंत्र अधिकार प्राप्त नहीं हो रहा है। अतः
 उक्त ख. नं. 380 पर जमीन एवं भूखर्ची नं. 1
 का कोई स्वत्व प्राप्त नहीं है, किंतु इस
 भूमि के संबंध में अर्थात् ख. नं. 380 के संबंध
 में जमीन तथा भूखर्ची नं. 1 दोनों ही दस्तावेज
 पास नही भूमिका में ही इस प्रकार भूखर्ची
 नं. 1 का क्रम है, कि उसके द्वारा न ईका
 चलाया जाता है, न उसके पास ईका की
 भाड़े पर विवेचन अपेक्षित नही है।
 नकल ख. नं. 380 के क्रम में जमीन तथा
 भूखर्ची नं. 1 दोनों का ही प्रमम दुहरया



प्रकार नहीं है।

प्रकार वर्गीकृत रूप में जिस पर
अध्याई आदेश अपेक्षित है, उस पर दोनों
ही पक्ष कब्जा नहीं होने का जमान करत
ही तब एक इलाक़ का कब्जा बाबत जान
करत है, भगव प्रथम दुसरा ऐसा प्रमाण
पेश नहीं करत वी प्रार्थी का उक्त श्रम
रूप में 390 पर कब्जा बाबत कार्य -
जमान नहीं ही चूंकि अध्यायी के इकाए
ले इस बाबत भी प्रमाण नहीं है, कि
उक्त श्रम पर अध्यायी नं. 1 द्वारा किसी
प्रकार का ऐसा कार्य किया जा रहा है
जिसके परिणाम स्वल्प प्रार्थी को हानि
होती हो। इस कारण सुविधा का संयुक्त
भी प्रार्थी के पक्ष में नहीं पाया जाता
है।

प्रार्थी के पक्ष में किस प्रकार से
सहित होगी यह भी इस स्तर पर
प्रमाणित नहीं है। वी अपेक्षित सति
का तथ्य भी प्रार्थी के पक्ष में तय
किया जाना संभव नहीं है, क्योंकि
प्रार्थी द्वारा राजकीय श्रम चालागाह
पर अध्याई आदेश चाला वी

प्रार्थी को या अध्यायी को क्या व
किस प्रकार के स्वत्व प्राप्त है? इसका
विनिश्चय इतना ही कि संविक साक्ष्यपत्रों
का समुचित विचारणापत्त विधि

8

तारीख
हुकम

हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

नम्बर
अहमद
हुकम
में

अनुसार मेटे पर लेना है, न कि इस
डाठ पत्र के आधार पर।

अतः उक्त के उपायगुण पर
सम्बन्ध विचार करने के उपरान्त डाठ
पत्र जारी खासिय किया जाता है।
फावली फिलम सुभा की जाकर
सूचना के साथ लिखत रहे।

निर्दिष्ट आज दि 01-03-2016
को मेटे द्वारा लिखाया आकर विद्य-
नमामालय में सुनाया गया।

[Signature]
रामजी

